शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय जबलपुर (म.प्र.)
सत्र 2016-17

EMBROIDERY ART.

# प्रतिवेदन

## प्रतिभागियों का फीडबैक

शासकीय मानकुंअर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर के गृहविज्ञान विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वस्ति प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में एम्ब्रॉयडरी आर्ट पर दिनांक 06/09/2016 से 20/09/2016 तक 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किया गया जो 10 बिंदुओं पर आधारित रहा। कुल प्राप्त प्रपत्रों की संख्या 77 है। इस प्रश्न पत्र में 08 प्रश्न संरचित हैं एवं 02 प्रश्न असंरचित हैं। फीडबैक से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण निम्नानुसार हैं-

**प्रश्न 01**- क्या आयोजकों को कार्यशाला के उद्देश्य स्पष्ट थे ?
इसके उत्तर 03 बिंदुओं पर प्राप्त हुए जिसमे 97.4% की राय पूर्णतः स्पष्ट, 1.3% आंशिक रूप से स्पष्ट एवं 1.3% ने कोई राय नहीं दी।

**प्रश्न 02**- ट्रेनिंग हेतु समयावधि कितनी थी ?
इसके उत्तर में 92.22% की राय पर्याप्त समयावधि, 3.9% अधिक समयावधि एवं मात्र 2.6% राय अपर्याप्त समयावधि की है। 1.3% लोगों ने कोई राय व्यक्त नहीं की।

**प्रश्न 03**- प्रशिक्षक अपने विषय मे कितने तैयार थे ?
इसके जबाब में 87% ने कहा कि प्रशिक्षक अपने विषय मे पूर्णतःतैयार थे। 11.7% की राय आंशिक पर एवं 1.3% प्रतिभागियों ने कोई उत्तर नहीं दिया।

**प्रश्न 04**- सीखने हेतु दी गई प्रशिक्षण सामग्री कितनी थी ?
इसके उत्तर में 88.3% प्रतिभागियों ने सामाग्री को पर्याप्त बताया। 6.5% ने सामग्री को अधिक बताया एवं 3.9% ने अपर्याप्त के बारे में अपना मत दिया। 1.3% ने कोई उत्तर नहीं दिया।

**प्रश्न 05**- प्रशिक्षण स्थल पर सेवाएँ कैसी थी ?
23.4% उत्तर उत्कृष्ट, 66.2% उत्तर प्रशिक्षण स्थल पर उत्तम सेवाओं से संबंधित रहा। केवल 9.1% उत्तर साधारण सेवा एवं 1.3% लोगों ने कोई उत्तर नहीं दिया।

**प्रश्न 06**- प्रशिक्षण की निम्न कलाओं मे से कौन-सी कला सर्वाधिक रोजगार मूलक लगी ?
इस प्रश्न के उत्तर में 63.7% प्रतिभागियों ने सर्वाधिक रोजगार मूलक लखनऊ की चिकनकारी कला को माना। 22.1% पंजाब की फुलकारी, 12.9% बंगाल की कांथा कला को रोजगार मूलक माना। केवल 1.3% लोगों ने कोई राय व्यक्त नहीं की।

**प्रश्न 07**- कार्यशाला किन उद्देश्यों में सफल प्रतीत हुई ?
तीन उद्देश्यों पर प्रतिभागियों ने उत्तर दिये। प्रथम उद्देश्य कढ़ाई कला का ज्ञान प्राप्त करने में 24.7% उत्तर प्राप्त हुए। द्वितीय उद्देश्य रोजगार मूलक के संबंध में 3.9% उत्तर मिले। सर्वाधिक 83.1% उत्तर, तृतीय उद्देश्य कढाई कला का ज्ञान एवं रोजगार मूलक के संबंध मे प्राप्त हुए। 1.3% लोगों ने कोई राय नहीं दी।

Scanned with CamScanner

**प्रश्न 08-** संबंधित विषय में क्या आप, अतिरिक्त ज्ञान अर्जित करना चाहेंगे ?
इसके उत्तर में 92.2% प्रतिभागियों ने "हाँ" मे उत्तर दिया । 6.5% उत्तर "नहीं" में एवं 1.3% लोगों ने कोई उत्तर नहीं दिया ।

**प्रश्न 09-** इस कार्यशाला मे आपको सबसे अधिक क्या पसंद आया ?
प्रतिभागियों से प्राप्त उत्तरों को चार श्रेणी में रखा गया । 58.44% प्रतिभागियों ने कसीदाकारी के विभिन्न पकारों को अधिक पसंद किया । 23.39% ने प्रशिक्षकों के सकारात्मक दृष्टिकोण को पसंद किया । 5.19% ने प्रतिभागियों की सकारात्मक भागीदारी को पसंद किया एवं 12.98% उत्तरदाता तटस्थ रहें ।

**प्रश्न 10-** कार्यशाला को और अधिक उपयोगी बनाने हेतु सुझाव ?
प्रतिभागियों से प्राप्त उत्तरों को चार श्रेणी में रखा गया । जिसमे सर्वाधिक 44.16% उत्तरदाताओं ने कोई सुझाव नहीं दिया । 10.38% ने कार्यशाला का आयोजन समस्त छात्राओं के लिए किया जाये । 20.79% उत्तर कार्यशाला की पुनरावृत्ति पर प्राप्त हुए । 24.67% उत्तर कार्यशाला को अधिक व्यवस्थित करने से संबंधित सुझाव जैसे- हाथ के अलावा मशीन द्वारा कसीदाकारी सिखाना, प्रशिक्षकों की संख्या एवं समय अवधि में वृद्धि एवं अवकाश में आयोजित करने संबंधी सुझाव दिये । उपरोक्त प्राप्त फीडबैक के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि कार्यशाला अपने उद्देश्य में सफल रही एवं उत्तरदाताओं के सकारात्मक सुझाव को दृष्टिगत रखते हुए भविष्य में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन प्रत्येक शैक्षणिक संस्थाओं में कसीदाकारी का ज्ञान रोजगार के उद्देश्य से कराया जाये ।

--------*--------*--------

फीडबैक समिति:-

1. डॉ. मीनू मिश्रा
2. डॉ. सुषमा श्रीवास्तव
3. श्रीमती संध्या देव

Scanned with CamScanner

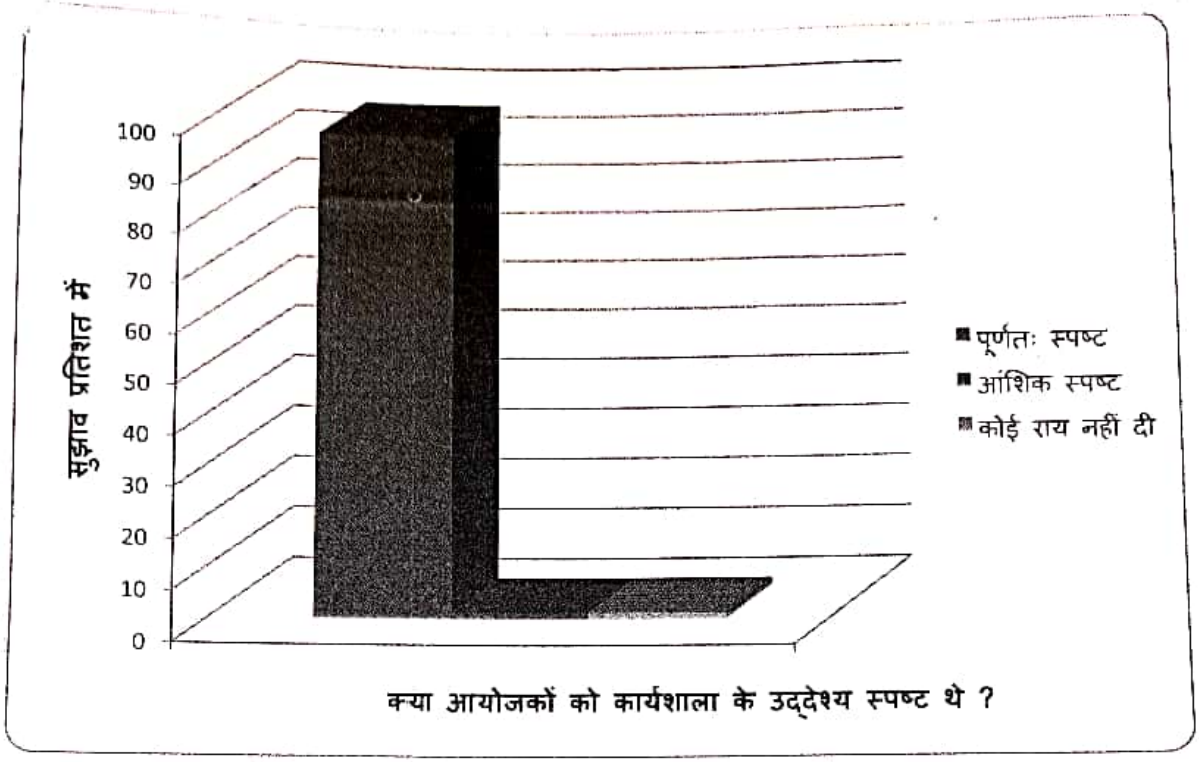


पूर्णतः स्पष्ट- 97.4%, आंशिक रूप से स्पष्ट- 1.30%, कोई राय नहीं दिया-1.30%

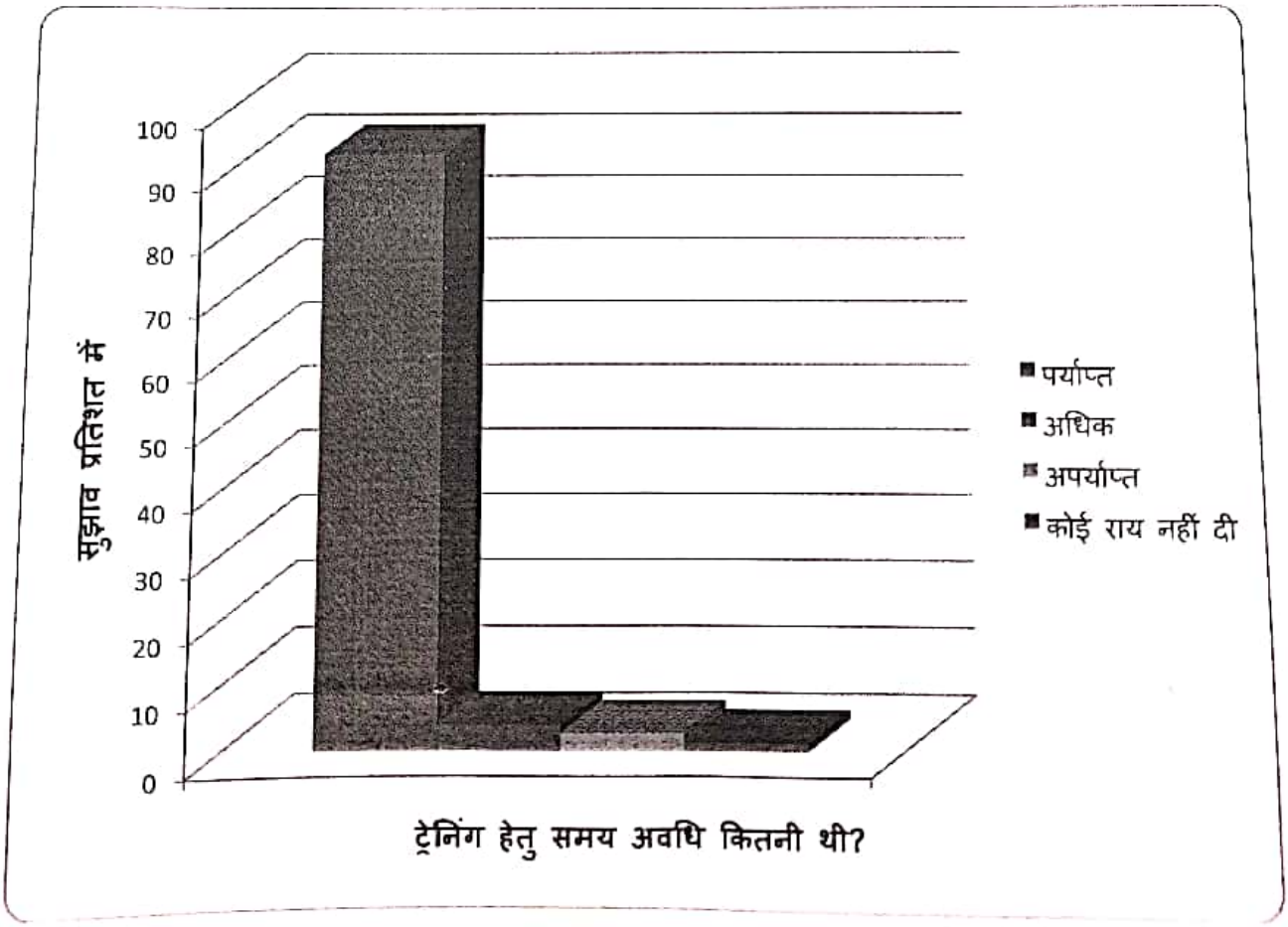


पर्याप्त- 92.22%, अधिक- 3.9%, अपर्याप्त- 2.6%, कोई राय नहीं दी- 1.3%

Scanned with CamScanner

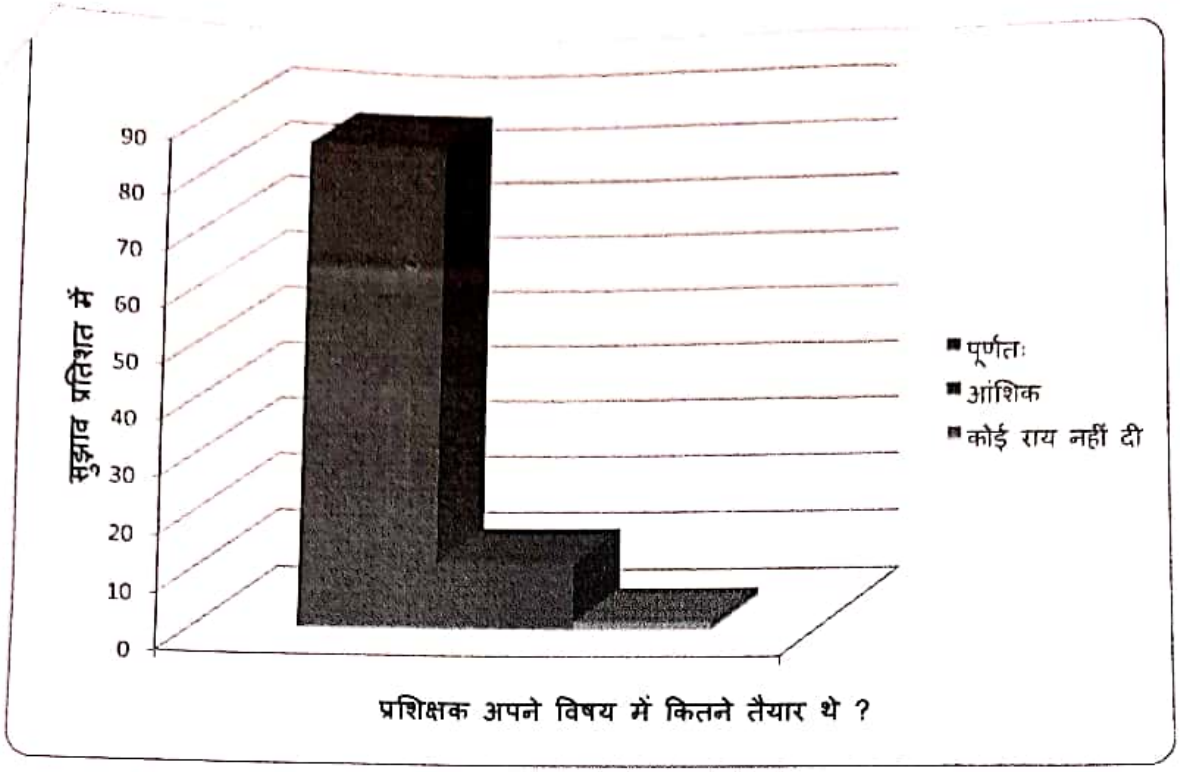


पूर्णतः- 87%, आंशिक- 11.7%, कोई राय नहीं दी- 1.3%

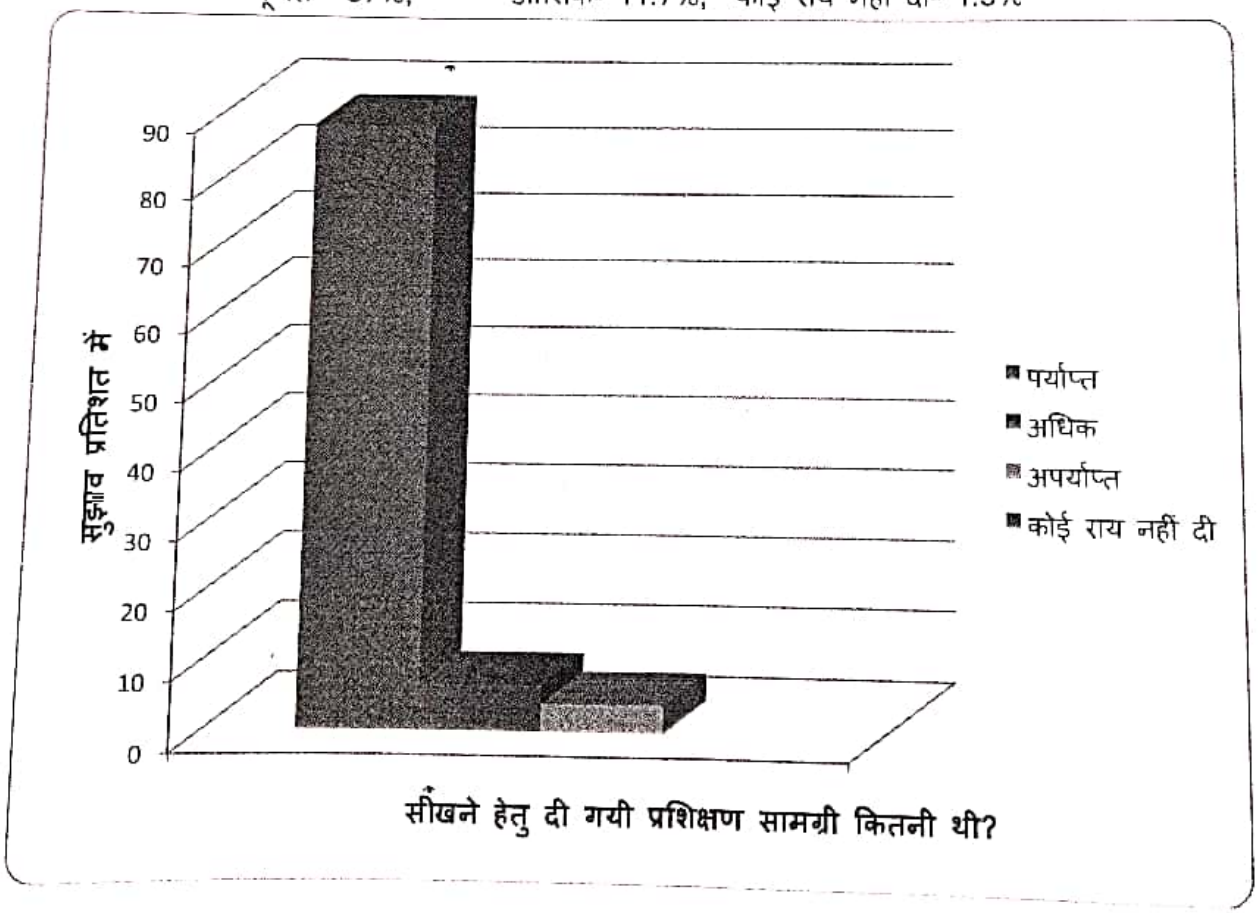


पर्याप्त- 88.3%, अधिक- 6.5%, अपर्याप्त- 3.9%, कोई राय नहीं दी- 1.3%

Scanned with CamScanner

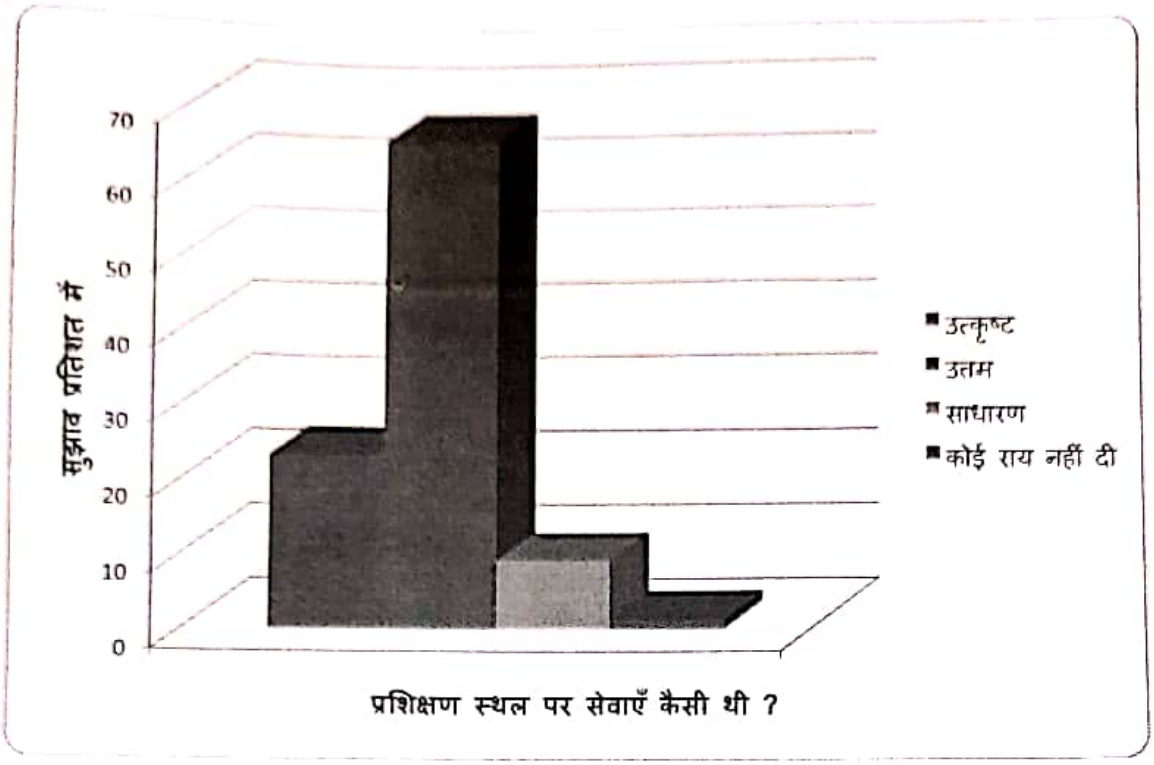


उत्कृष्- 23.4%, उत्तम- 66.2%, साधारण- 9.1%, कोई राय नहीं दी- 1.3%\

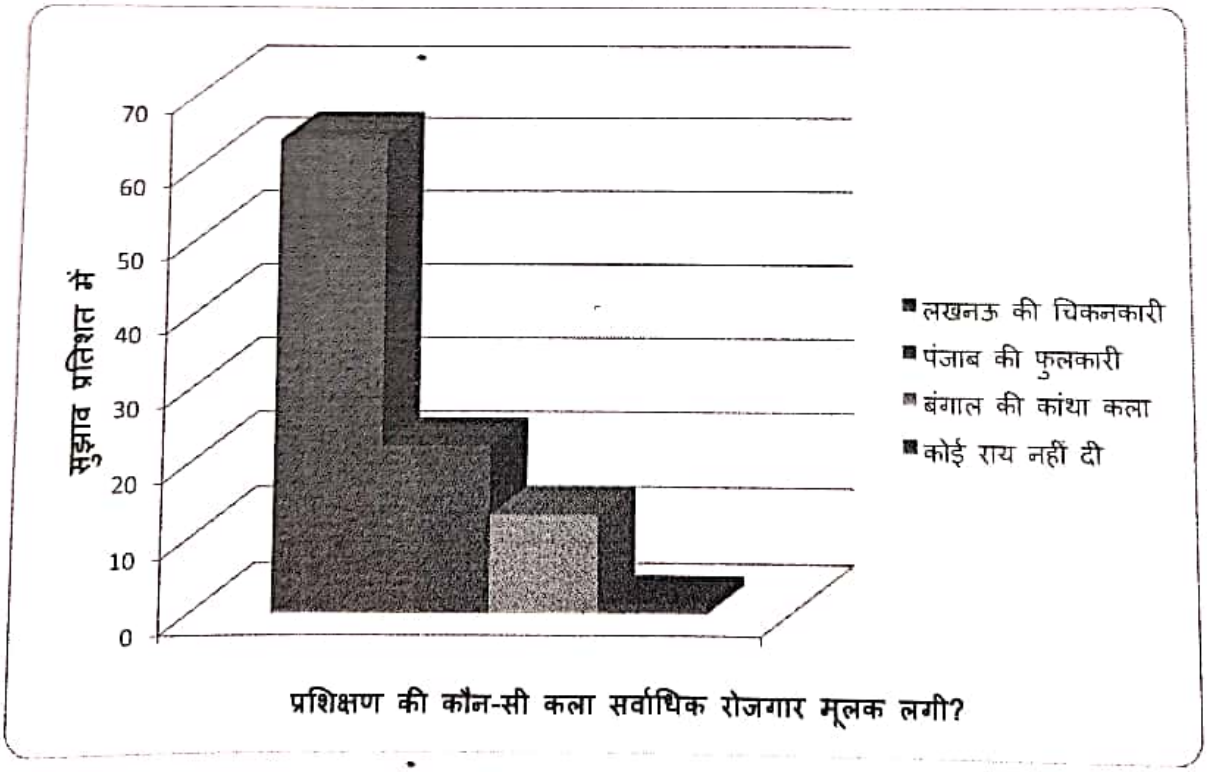


लखनऊ की चिकनकारी कला- 63.7%, पंजाब की फुलकारी- 22.1%, बंगाल की कांथा कला- 12.9%
कोई राय व्यक्त नहीं दी-1.3%

Scanned with CamScanner

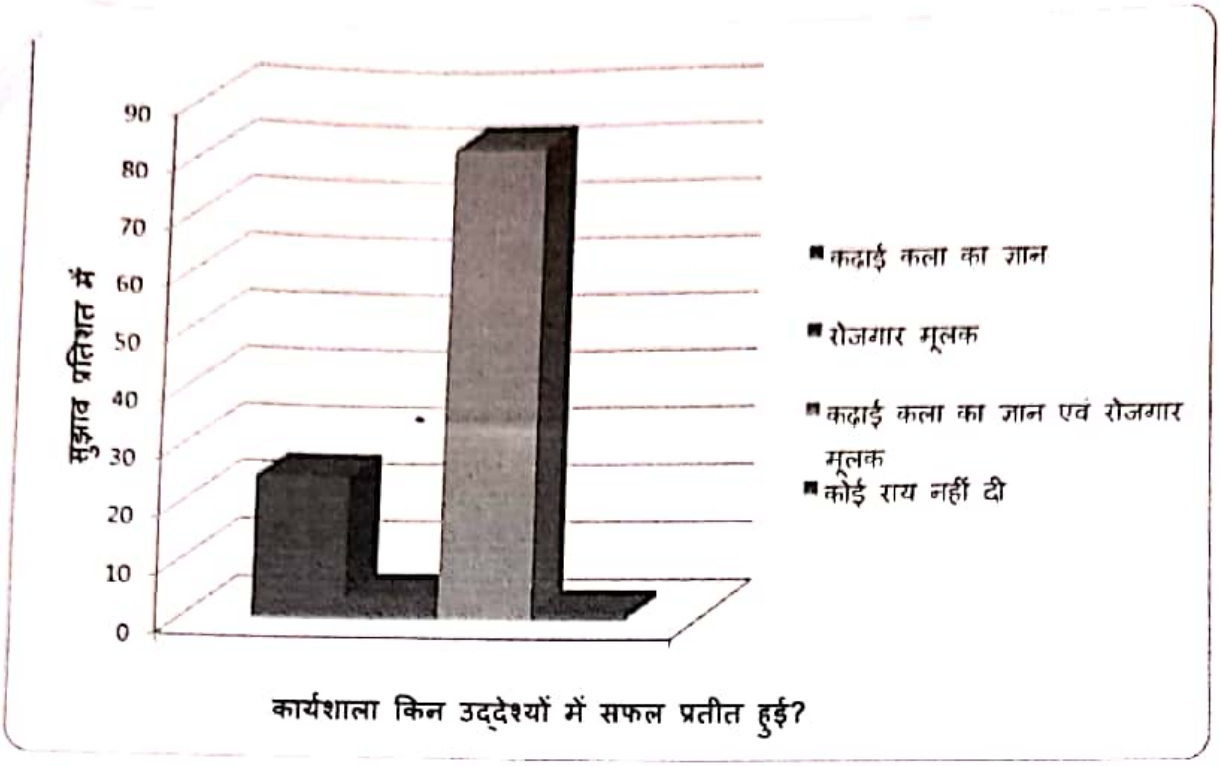


**कार्यशाला किन उद्देश्यों में सफल प्रतीत हुई?**

कढ़ाई कला का ज्ञान- 24.7%, रोजगार मूलक- 3.9%, कढ़ाई कला का ज्ञान एवं रोजगार मूलक-83.1%
कोई राय नहीं दी- 1.3%

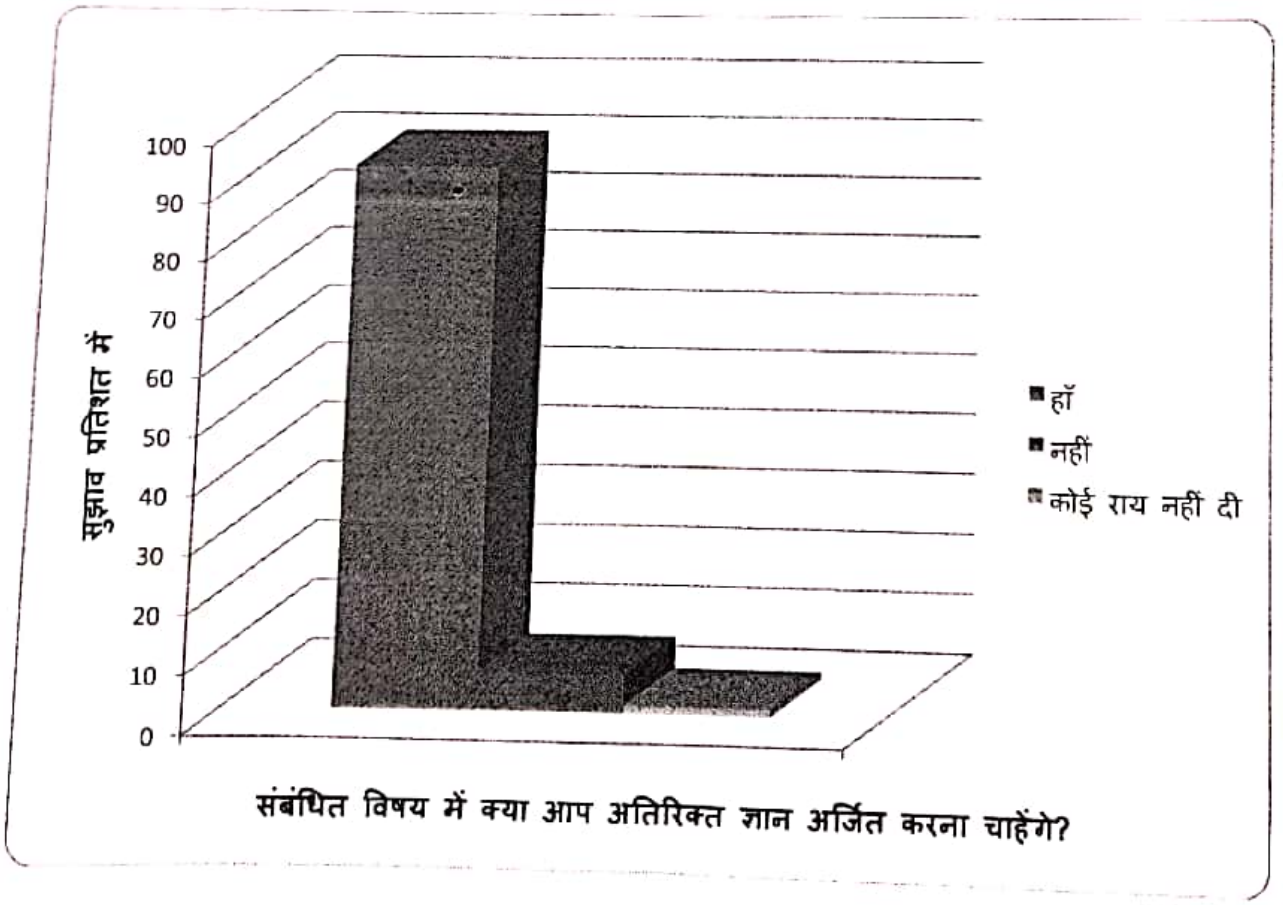


**संबंधित विषय में क्या आप अतिरिक्त ज्ञान अर्जित करना चाहेंगे?**

हाँ- 92.2%, नहीं- 6.5%, कोई राय नहीं दी- 1.3%

Scanned with CamScanner

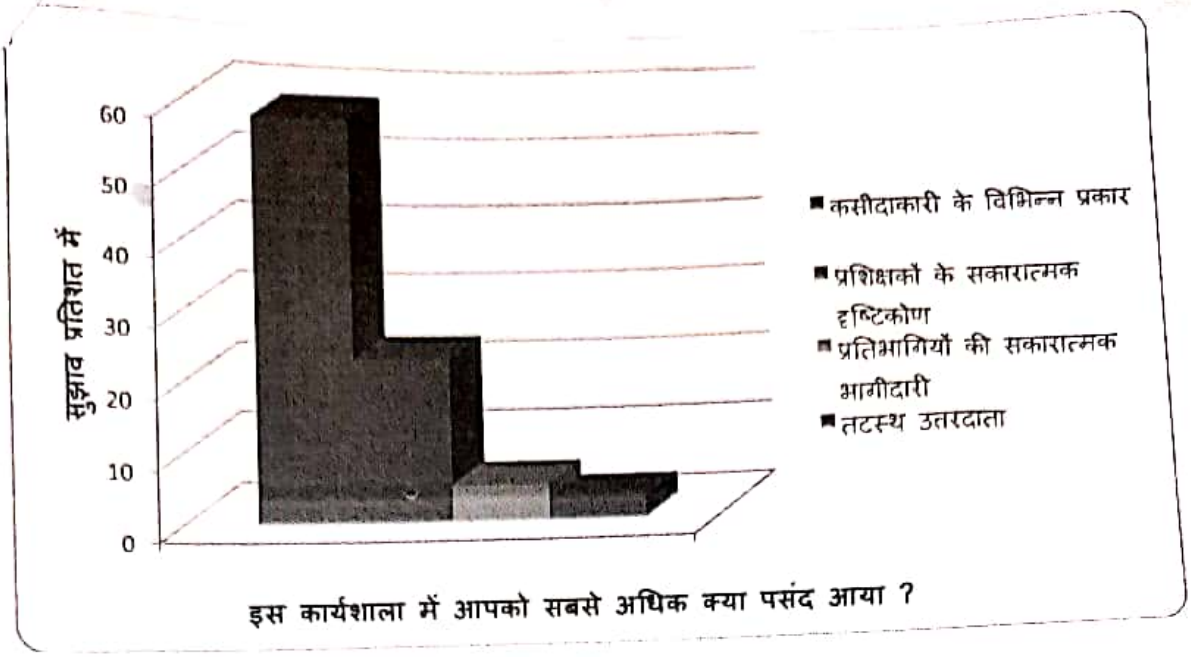


कसीदाकारी के विभिन्न प्रकार- 58.44%, प्रशिक्षकों के सकारात्मक दृष्टिकोण- 23.39%, प्रतिभागियों की सकारात्मक भागीदारी- 5.19%, तटस्थ उत्तरदाता- 12.98%

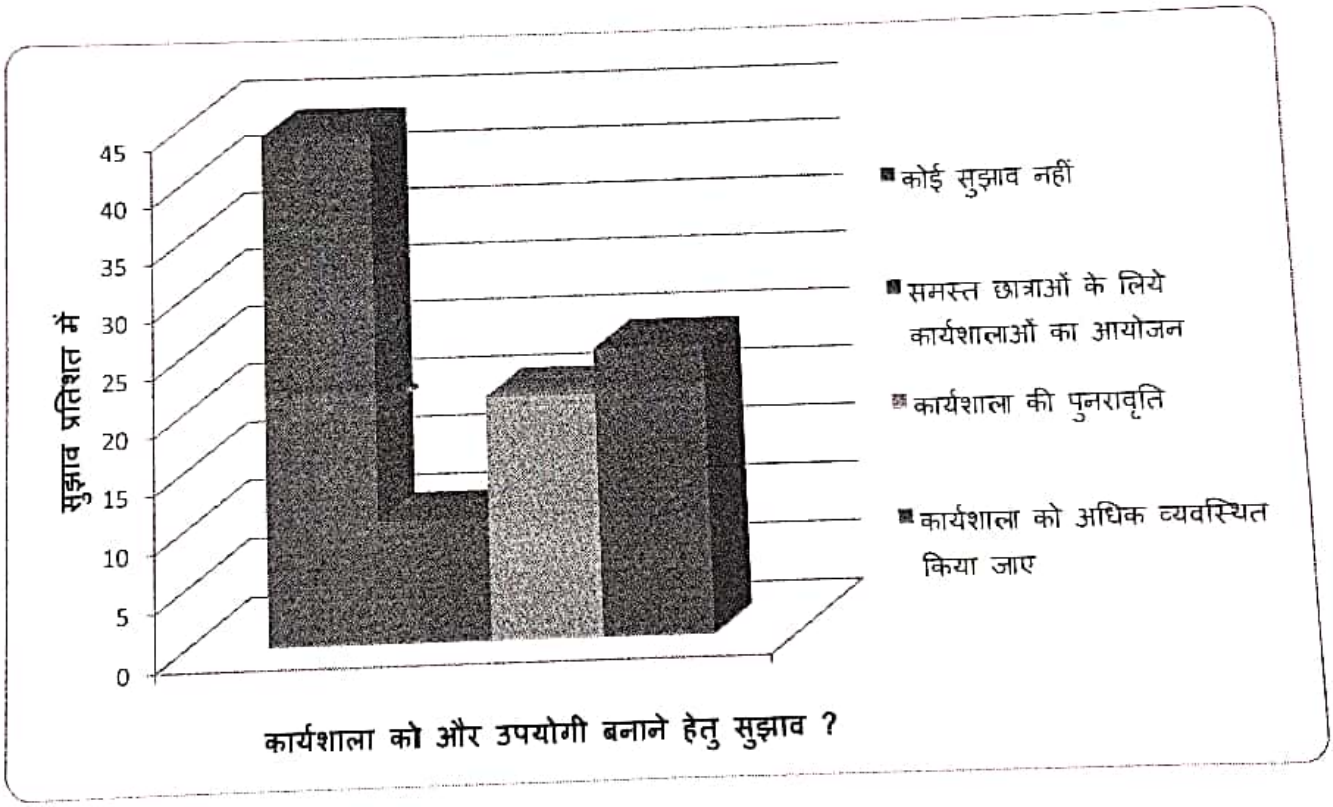


कोई सुझाव नहीं दिया- 44.16%, कार्यशाला का आयोजन समस्त छात्राओं के लिए किया जाये-10.38% कार्यशाला की पुनरावृति- 20.79%, कार्यशाला को अधिक व्यवस्थित करने से संबंधित सुझाव जैसे- हाथ के अलावा मशीन द्वारा कसीदाकारी सिखाना, प्रशिक्षकों की संख्या एवं समय अवधि में वृद्धि एवं अवकाश में आयोजित करने संबंधी सुझाव- 24.67%

Scanned with CamScanner

शासकीय मानकुँवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय जबलपुर (म.प्र.) 1.6.1 add info

सत्र 2017-18

E-LEARNING AND PROFESSIONAL DEV.

# प्रतिवेदन

## प्रतिभागियों का फीडबैक

शासकीय मानकुंअर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर में डिजिटल अवेयरनेस से संबंधित एक कार्यशाला "ई-लर्निंग फॉर प्रोफेसनल डेव्लपमेंट" दिनांक 12 मार्च, 2018 से 17 मार्च, 2018 तक आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले पतिभागियों का फीडबैक प्राप्त किया गया। फीडबैक प्रपत्र 08 प्रश्नों पर आधारित हैं जिसमे 05 प्रश्न संरचित हैं एवं 03 प्रश्न असंरचित हैं। कुल प्राप्त फीडबैक प्रपत्रों की संख्या 25 है। फीडबैक से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण निम्नानुसार हैं-

**प्रश्न 01**- क्या आयोजकों को कार्यशाला के उद्देश्य स्पष्ट थे ?
इसके उत्तर 03 बिंदुओं पर प्राप्त हुए जिसमे 96% की राय पूर्णतः स्पष्ट, 4% आंशिक रूप से स्पष्ट एवं स्पष्ट नहीं निरंक रहें।

**प्रश्न 02**- ट्रेनिंग हेतु समयावधि कितनी थी ?
इसके उत्तर में 92% की राय पर्याप्त समयावधि एवं 8% राय अपर्याप्त समयावधि की है।

**प्रश्न 03**- प्रशिक्षक अपने विषय मे कितने तैयार थे ?
इसके जबाब में 92% ने कहा कि प्रशिक्षक अपने विषय मे पूर्णतःतैयार थे। 8% की राय आंशिक पर थी।

**प्रश्न 04**- सीखने हेतु दी गई प्रशिक्षण स्थल पर सेवाएँ कैसी थी ?
इसके उत्तर में 56% उत्तर प्रशिक्षण स्थल पर दी गई सेवाओं को उत्कृष्ट बताया एवं 44% ने उतम पर अपना अभिमत दिया।

**प्रश्न 05**- कार्यशाला किन उद्देश्यों में सफल प्रतीत हुई ?
तीन उद्देश्यों पर प्रतिभागियों ने उत्तर दिये। जिसमे अधिकांश 72% उत्तर वर्तमान में विभिन्न समस्याओं के समाधान में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने में सफल प्रतीत हुई। 20% उत्तर डिजिटल लर्निंग के उद्देश्य को पूर्ण करने में सफल रही एवं 8% उत्तरदाताओं ने तकनीकी ज्ञान के विकास के उद्देश्य को पूरा करने संबंधी अपना अभिमत दिया।

**प्रश्न 06**- संबंधित विषय में क्या आप, अतिरिक्त ज्ञान अर्जित करना चाहेंगे ?
इसके उत्तर में 96% प्रतिभागियों ने "हाँ" मे उत्तर दिया। 4% उत्तर "नहीं" में उत्तर दिया।

**प्रश्न 07**- इस कार्यशाला मे आपको सबसे अधिक क्या पसंद आया ?
इस कथन के उत्तर मे 72% उत्तरदाताओं ने विषय विशेषज्ञ द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताया एवं 20% उत्तर विषय विशेषज्ञ के सकारात्मक दृष्टिकोण को पसंद किया तथा 8% उत्तरदाताओं का जबाब तटस्थ रहा।

Scanned with CamScanner

**प्रश्न 8**- कार्यशाला को और अधिक उपयोगी बनाने हेतु अपने सुझाव दीजिए ?
इसके जवाब में 36% उत्तरदाताओं ने ऐसी कार्यशाला की पुनरावृति किये जाने के संबंध में अपना अभिमत दिया ताकि प्रशिक्षणी पूर्णत: प्रशिक्षित हो जायें। 16% उत्तर कार्यशाला की समयावधि बढ़ाने के पक्ष में थे एवं 28% उत्तरदाताओं ने तकनीकी संसाधनों को बढ़ाये जाने संबंधी अभिमत दिया तथा 12% उत्तरदाता कार्यशाला से संतुष्ट रहे और 4% उत्तरदाताओं ने अधिक कुशल विषय विशेषज्ञों से प्रशिक्षण दिलवाने का सुझाव दिया। 4% उत्तरदाताओं ने कोई सुझाव नहीं दिया।

उपरोक्त प्राप्त फीडबैक के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि कार्यशाला अपने उद्देश्य में सफल रही एवं उत्तरदाताओं के सकारात्मक सुझाव से स्पष्ट होता है कि वर्तमान में डिजिटल लर्निंग व्यवसाई विकास में सहायक है। अत: भविष्य में उच्च तकनीकी संसाधन एवं विशेषज्ञों की सहायता से कार्यशालाओं की पुनरावृति की जाये।

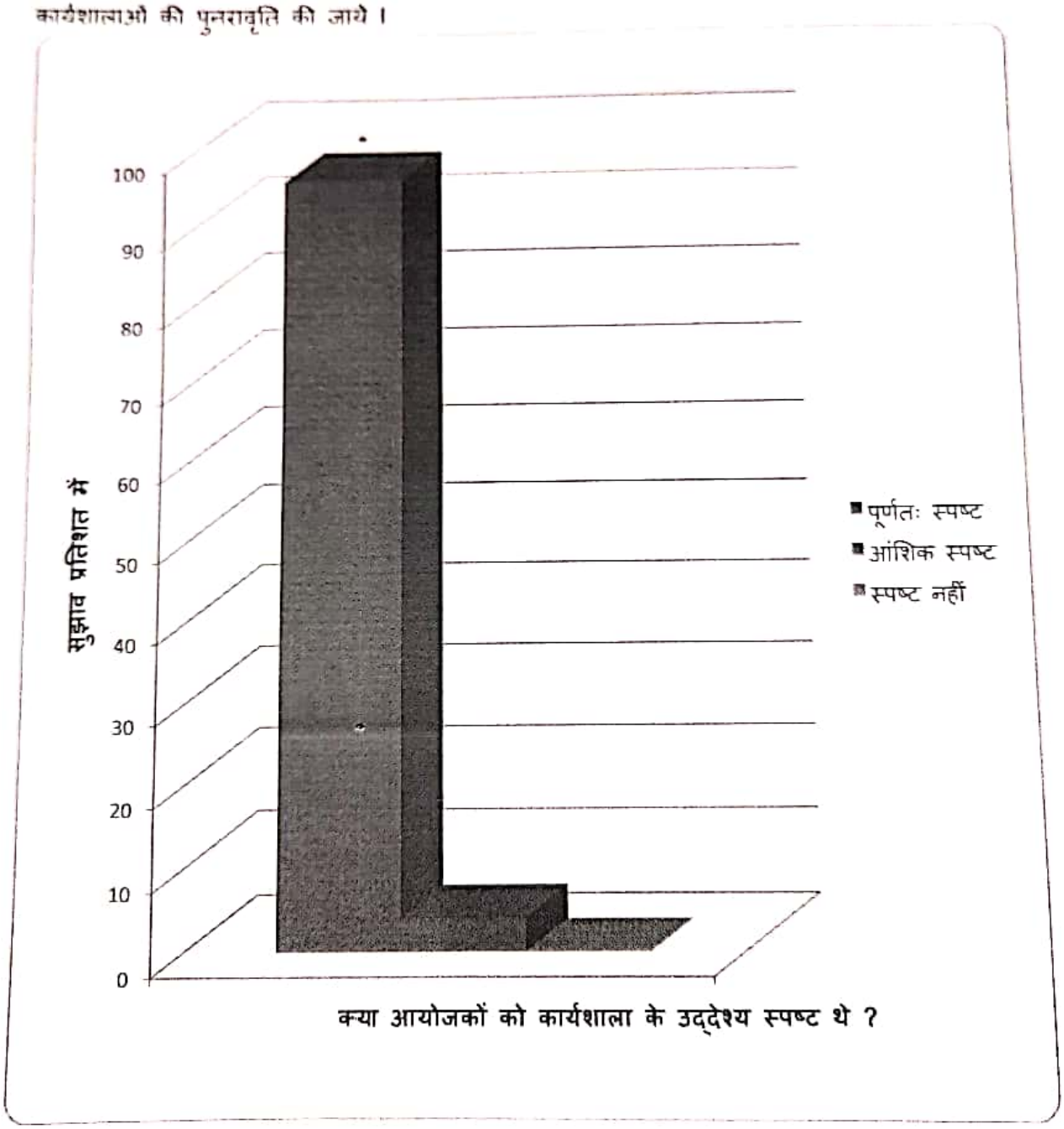


पूर्णतः स्पष्ट- 96%, आंशिक रूप से स्पष्ट- 4%, स्पष्ट नहीं-0%

Scanned with CamScanner

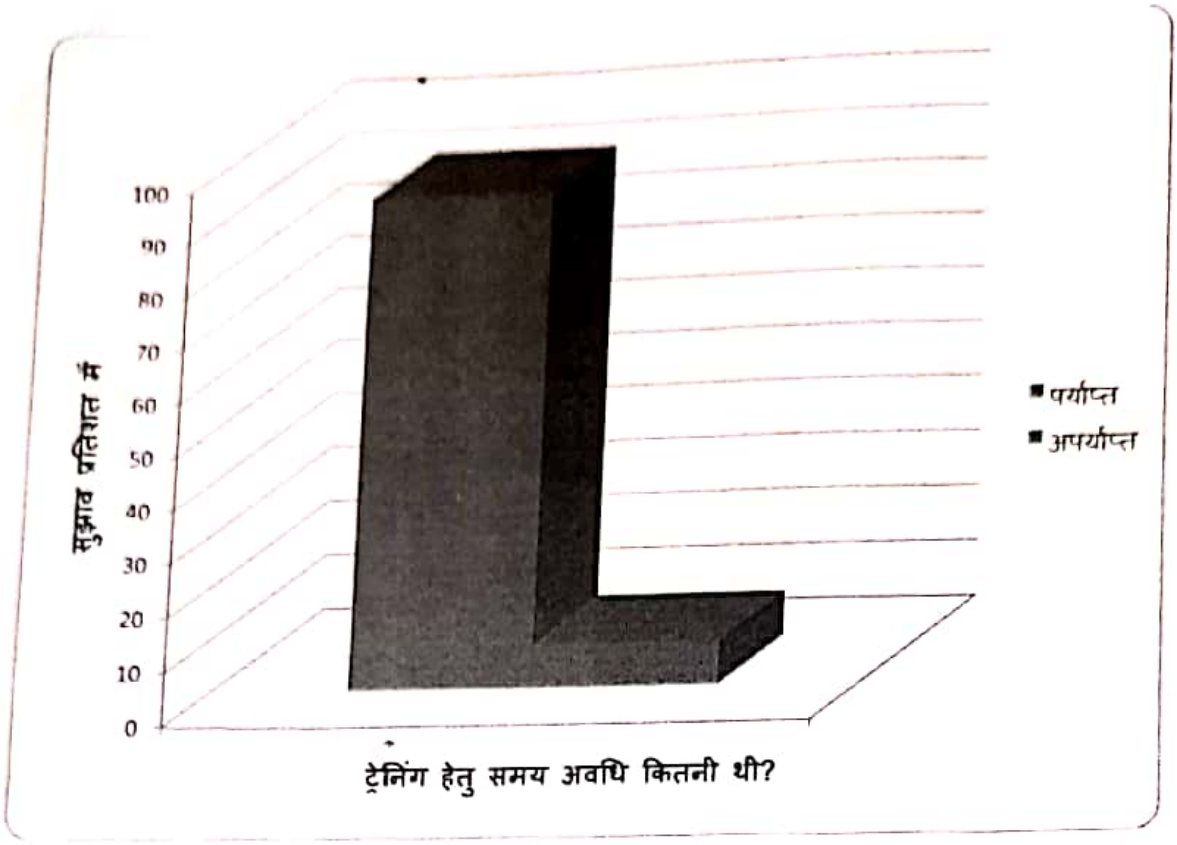


पर्याप्त समयावधि- 92%, अपर्याप्त समयावधि- 8%

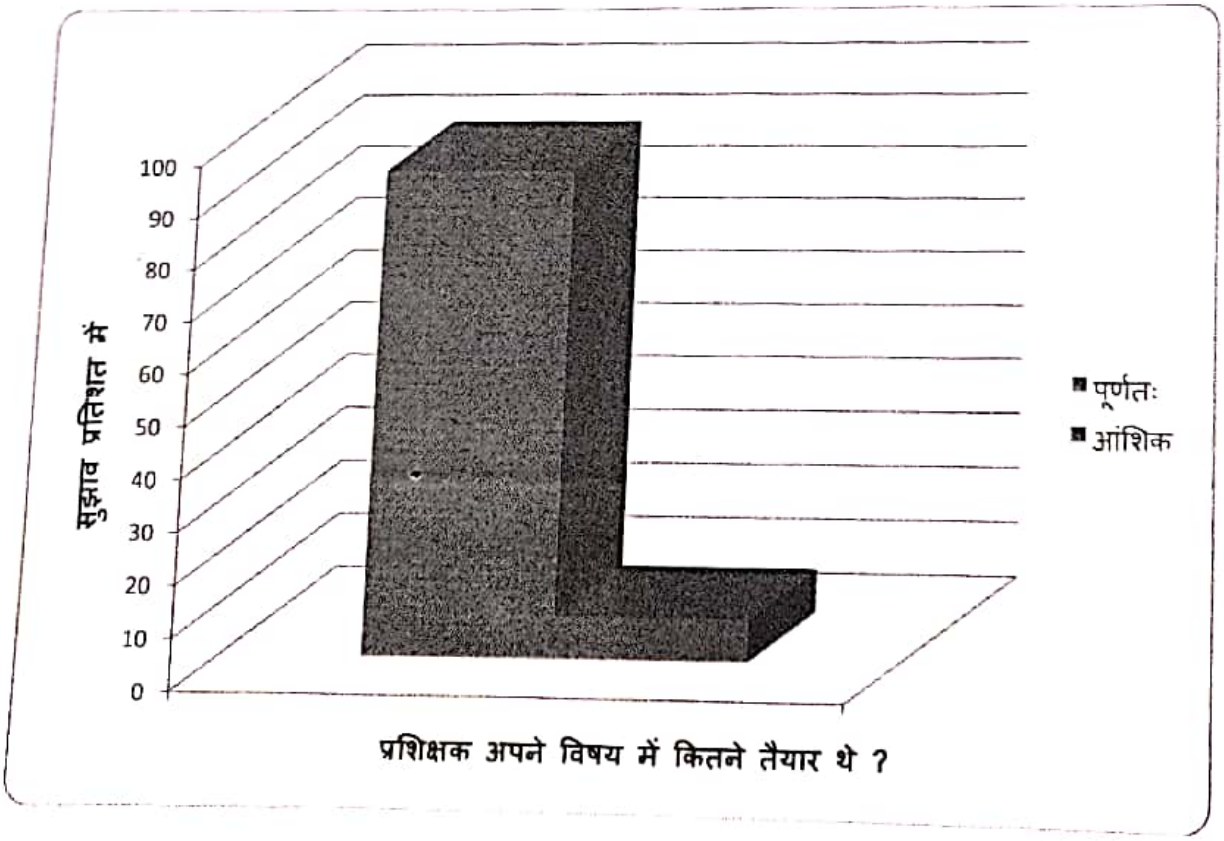


पूर्णतः- 92% , आंशिक- 8%

Scanned with CamScanner

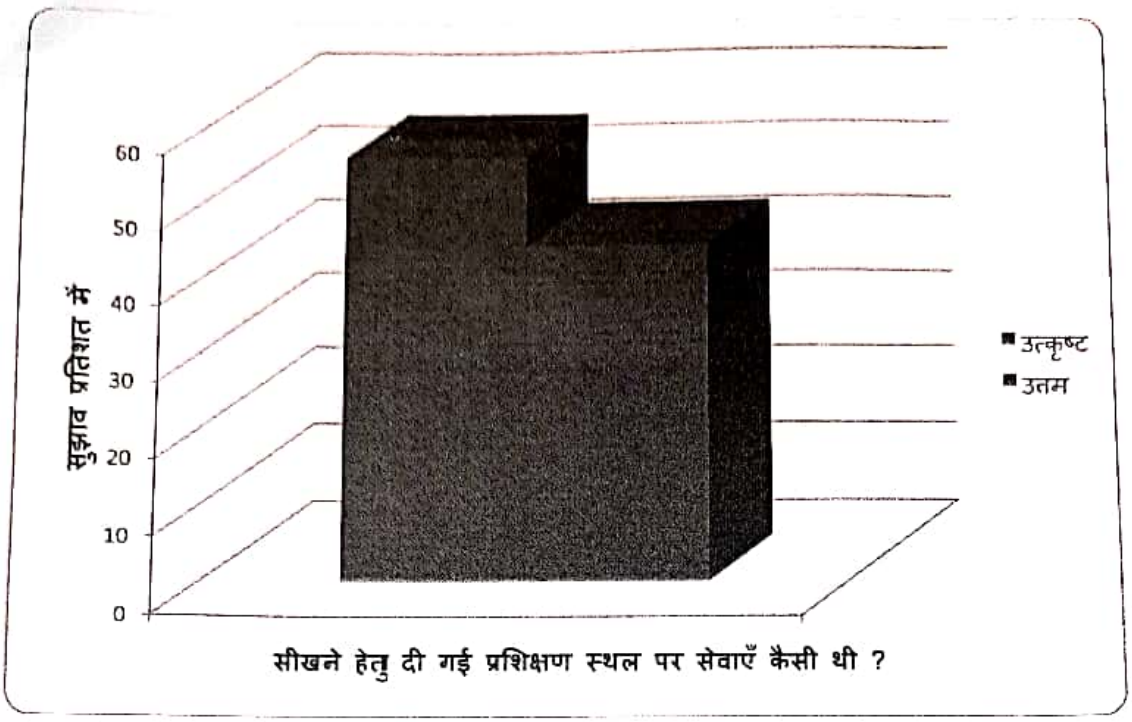


उत्कृष्ट- 56%, उत्तम- 44%

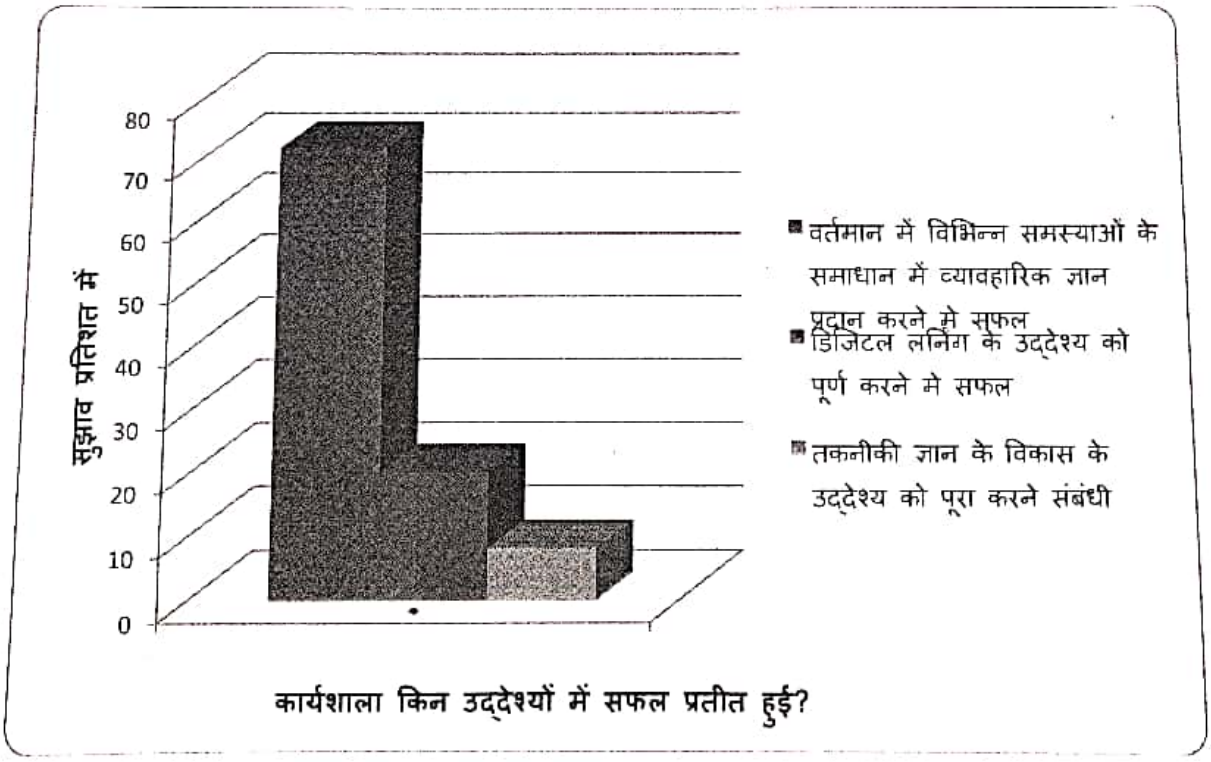


वर्तमान में विभिन्न समस्याओं के समाधान में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने मे सफल- 72%,
डिजिटल लर्निंग के उद्देश्य को पूर्ण करने मे सफल-20%
तकनीकी ज्ञान के विकास के उद्देश्य को पूरा करने संबंधी-8%

Scanned with CamScanner

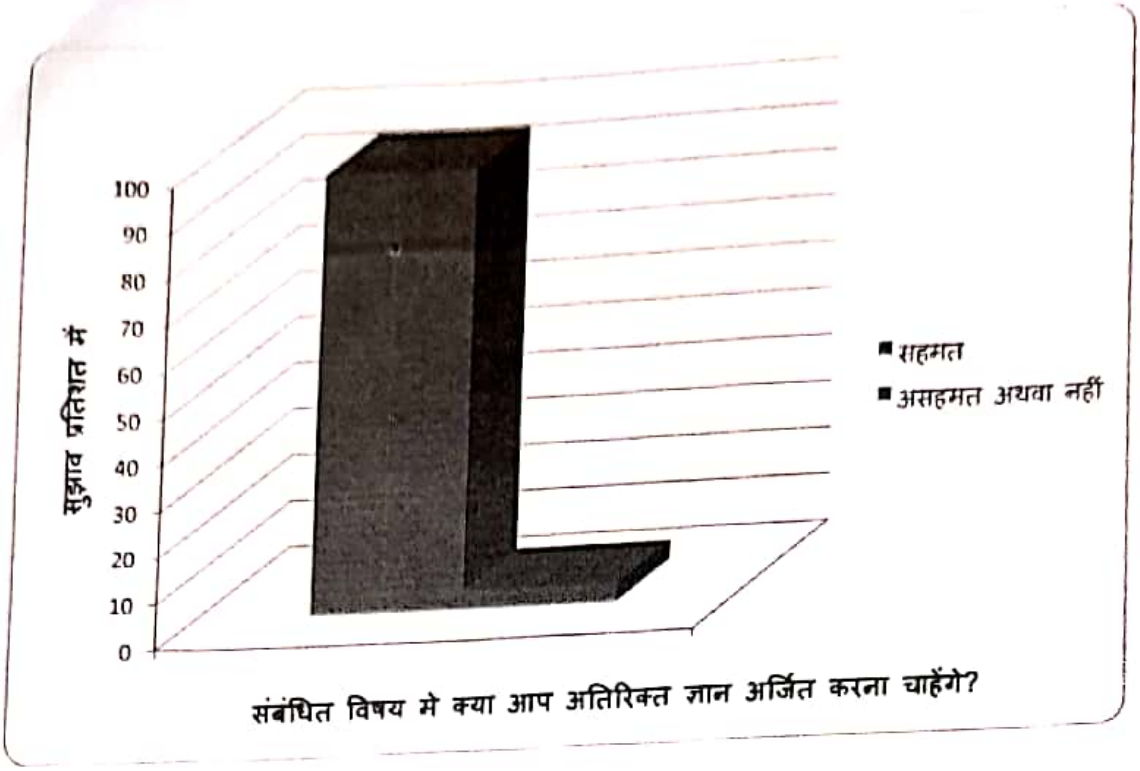


संबंधित विषय मे क्या आप अतिरिक्त ज्ञान अर्जित करना चाहेंगे?

सहमत- 96%  असहमत अथवा नहीं- 4%

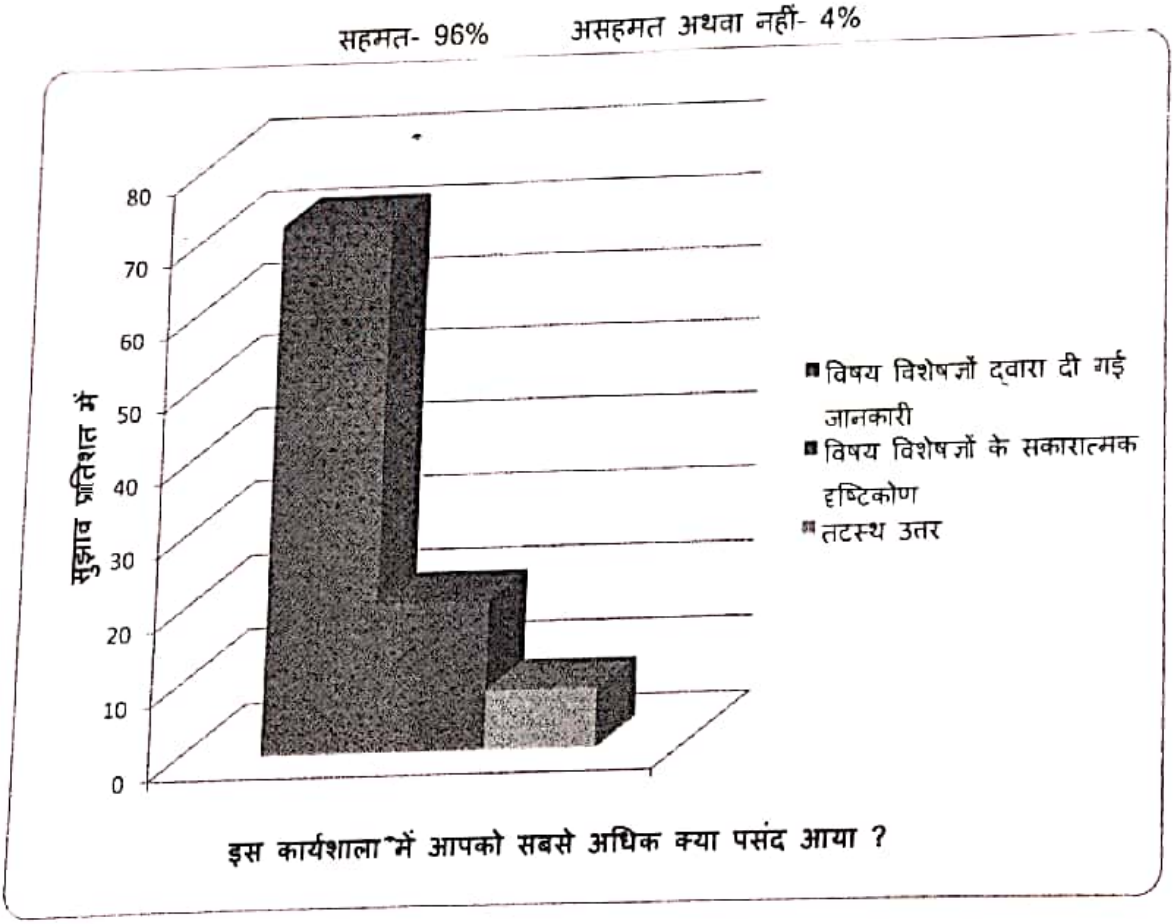


इस कार्यशाला में आपको सबसे अधिक क्या पसंद आया ?

विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी-72%, विषय विशेषज्ञों के सकारात्मक दृष्टिकोण-20%
तटस्थ उत्तर-8%

Scanned with CamScanner

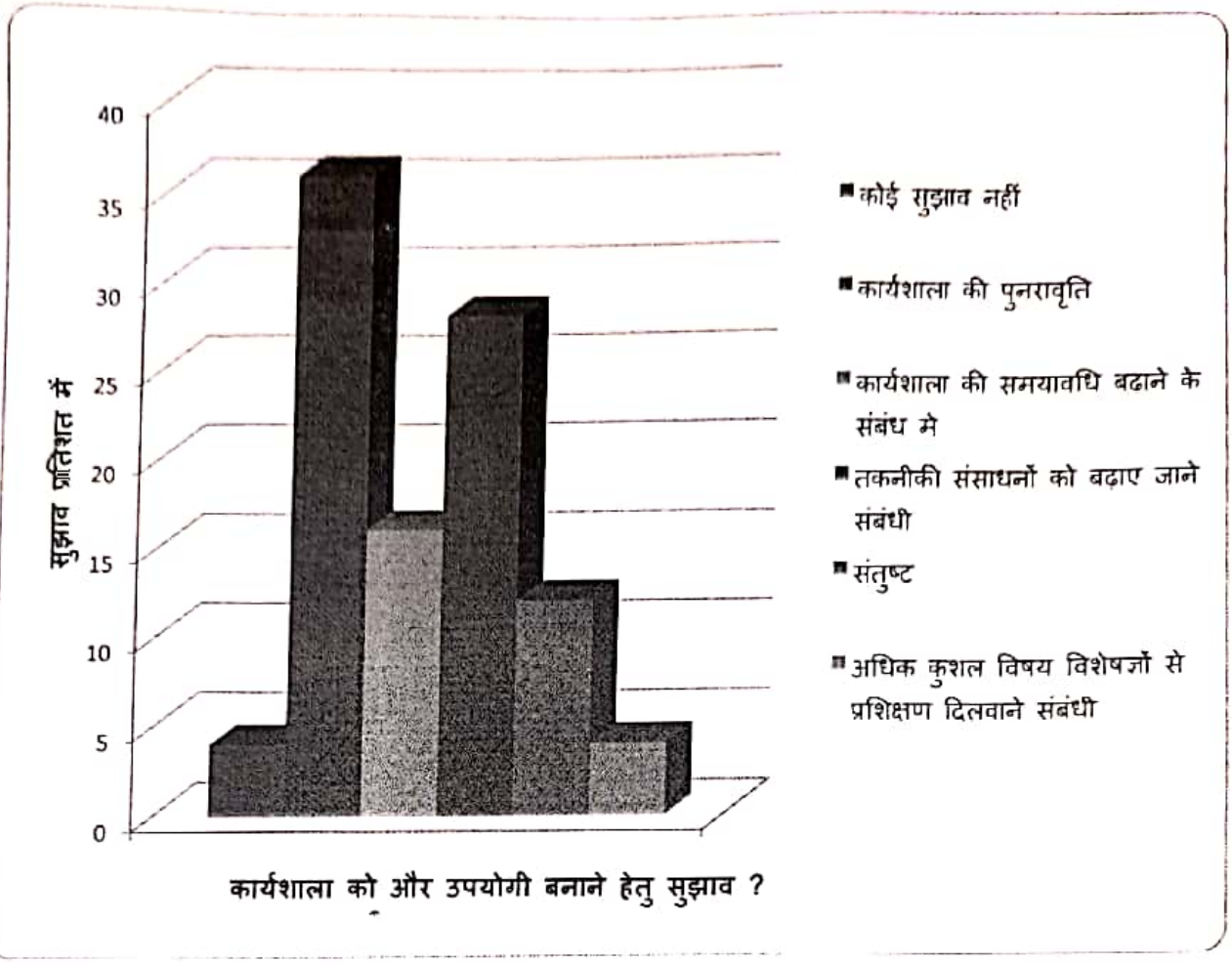


कोई सुझाव नहीं दिया- 4%, कार्यशाला की पुनरावृति- 36%,
कार्यशाला की समयावधि बढ़ाने के संबंध मे- 16%, तकनीकी संसाधनों को बढ़ाए जाने संबंधी-28%
संतुष्ट-12%, अधिक कुशल विषय विशेषज्ञों से प्रशिक्षण दिलवाने संबंधी- 4%

---------*---------*--------

फीडबैक समिति:-

4. डॉ. मीनू मिश्रा

5. डॉ. सुषमा श्रीवास्तव

6. श्रीमती संध्या देव

Scanned with CamScanner

# FEED-BACK WORKSHOP ON OCCUPATIONA THERPY

| FEEDBACK OF THE WORKSHOP ON OCCUPATIONAL THERAPY FOR AUTISM | | | | | | | | | PERCENTAGE OF PARTICIPANT RESPONSE |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रश्न | PARTICIPANT RESPONSE | | | | | | | | |
| | पूर्णतः | आंशिक | हमेशा | कभी कभी | पूर्णतःसहमत | सहमत | उच्च | मध्यम | |
| १. प्रस्तुत कार्यशाला आपकी राय में सहायक सिद्ध हुई | 83 | 17 | | | | | | | |
| २. इस तरह की कार्यशाला में सम्मिलित होते रहना चाहेंगे | | | 81 | 19 | | | | | |
| ३. कार्यशाला में प्रस्तुत समस्या एवं उपचार से सहमत हैं | | | | | 58 | 42 | | | |
| ४. इस तरह की कार्यशाला भविष्य में भी संचालित होती रहनी चाहिए | | | 86 | 14 | | | | | |
| ५. कार्यशाला को आप किस श्रेणी में रखना पसंद करेंगे | | | | | | | 80 | 20 | |

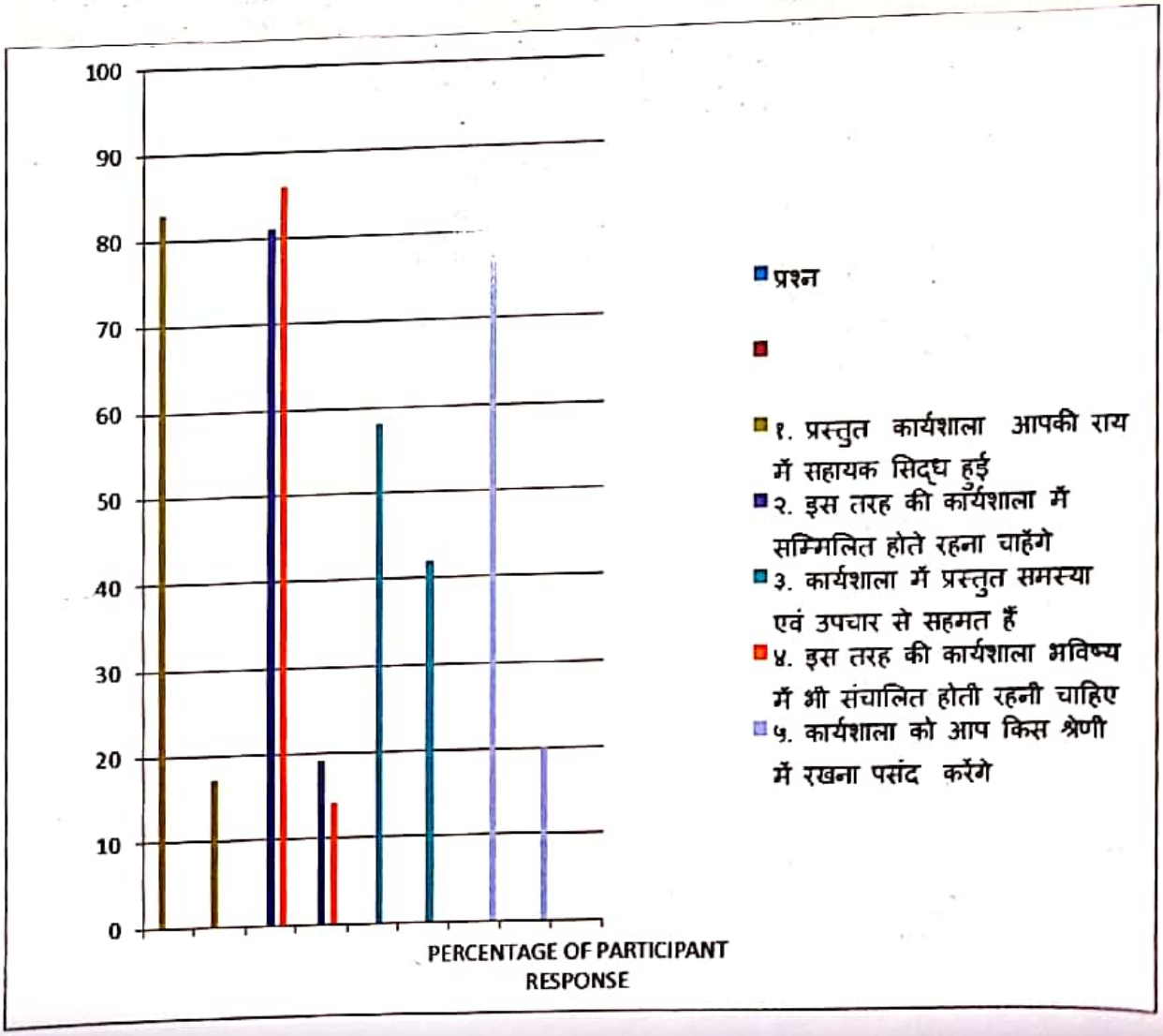


Scanned with CamScanner